6. Describe the major reforms introduced in the Indian insurance sector in the context of liberalisation and globalisation.

उदारीकरण और वैश्वीकरण के संदर्भ में भारतीय बीमा क्षेत्र में किए गए प्रमुख सुधारों का वर्णन कीजिए।

7. Explain the concept of insurable loss exposure and discuss its importance in insurance. Also, differentiate between third-party liability coverage and comprehensive coverage in motor insurance.

बीमायोग्य हानि जोखिम (insurable loss exposure) की अवधारणा को समझाइए तथा बीमा में इसके महत्व पर चर्चा कीजिए। साथ ही मोटर बीमा में तृतीय-पक्ष दायित्व कवरेज (third-party liability coverage) और व्यापक कवरेज (comprehensive coverage) के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

8. Write short notes on any **three** of the following :

निम्नलिखित में से किसी तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Principle of contribution.

योगदान का सिद्धांत

(b) Problem of moral hazard.

नैतिक जोखिम की समस्या

(c) Scope of agricultural insurance.

कृषि बीमा का क्षेत्र

(d) Principle of utmost good faith.

परम सद्भावना का सिद्धांत

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **3430** **I**

Unique Paper Code : 6132351201

Name of the Paper : Fundamentals of Insurance

Name of the Course : **B.A.(VS) Insurance Management (NEP)**

Semester : II

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.

प्रश्नपत्र प्राप्त होते ही उसके शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer any **five** questions.

किसी भी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(c) **All** questions carry equal marks.

सभी प्रश्न समान अंक के हैं।

(d) Discrepancy between **Hindi** and **English** versions, if any, the meaning in the English version shall prevail.

हिंदी और अंग्रेजी भाषा के बीच किसी भी प्रकार की विसंगति होने की स्थिति में अंग्रेजी में दिया गया अर्थ मान्य होगा।

P.T.O.

1. Explain the concept of the Law of Large Numbers and discuss its importance in the insurance industry.

   बड़े संख्याओं का नियम (law of large numbers) की अवधारणा को समझाइए तथा बीमा उद्योग में इसके महत्व पर चर्चा कीजिए।

2. Describe the principle of indemnity in insurance and explain its objectives, importance, and its relationship with the principle of subrogation.

   बीमा में क्षतिपूर्ति के सिद्धांत (principle of indemnity) का वर्णन कीजिए तथा इसके उद्देश्य, महत्व और उपभोगाधिकार (subrogation) के सिद्धांत के साथ इसके संबंध को स्पष्ट कीजिए।

3. Define the principle of insurable interest and discuss its significance in preventing wagering in insurance contracts.

   बीमा में बीमायोग्य हित (principle of insurable interest) के सिद्धांत को परिभाषित कीजिए तथा बीमा अनुबंधों में सट्टेबाजी (wagering) को रोकने में इसके महत्व पर चर्चा कीजिए।

4. Define the principle of proximate cause and examine its implications in determining the actual cause of loss during insurance claims.

   निकटतम कारण के सिद्धांत (principle of proximate cause) को परिभाषित कीजिए तथा बीमा दावों के दौरान हानि के वास्तविक कारण का निर्धारण करने में इसके प्रभावों का परीक्षण कीजिए।

5. Mr. Ashwani Kumar, aged 35 years, is employed as a Senior Manager in a corporate bank. Over the years, he has established a stable financial position and accumulated valuable assets. He owns a residential house valued at approximately ₹ 80 lakh and a car worth around ₹ 10 lakh. Mr. Kumar is married and maintains a healthy lifestyle. He is a non-smoker and does not consume alcohol. As the primary earning member of the family, he bears significant financial responsibilities, including ensuring the financial

security of his spouse and protecting his valuable assets. Considering his age, family obligations, and financial commitments, it is important for Mr. Kumar to adopt a comprehensive insurance plan to safeguard his life, health, and property against unforeseen risks and uncertainties.

Question:

Analyse the above case and identify the various types of insurance policies that Mr. Ashwani Kumar should consider to protect his life, health, family, and assets from potential risks.

श्री अश्वानी कुमार, आयु 35 वर्ष, एक कहर्पोरेट बैंक में वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। वर्षों के दौरान उन्होंने एक स्थिर वित्तीय स्थिति स्थापित की है और मूल्यवान संपत्तियाँ अर्जित की हैं। उनके पास लगभग ₹ 80 लाख मूल्य का एक आवासीय घर और लगभग ₹10 लाख मूल्य की एक कार है। श्री कुमार विवाहित हैं और स्वस्थ जीवनशैली अपनाते हैं। वे धूम्रपान नहीं करते और न ही शराब का सेवन करते हैं। परिवार के मुख्य कमाने वाले सदस्य होने के कारण उनके ऊपर महत्वपूर्ण वित्तीय जिम्मेदारियाँ हैं, जिनमें अपने जीवनसाथी की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना और अपनी मूल्यवान संपत्तियों की रक्षा करना शामिल है। उनकी आयु, पारिवारिक दायित्वों और वित्तीय प्रतिबद्धताओं को देखते हुए, उनके लिए यह आवश्यक है कि वे अपने जीवन, स्वास्थ्य और संपत्ति को अप्रत्याशित जोखिमों और अनिश्चितताओं से सुरक्षित रखने के लिए एक व्यापक बीमा योजना अपनाएँ।

प्रश्न:

उपरोक्त केस का विश्लेषण कीजिए तथा उन विभिन्न प्रकार की बीमा पॉलिसियों की पहचान कीजिए जिन्हें श्री अश्वानी कुमार को अपने जीवन, स्वास्थ्य, परिवार और संपत्तियों को संभावित जोखिमों से सुरक्षित रखने के लिए अपनाना चाहिए।